भीष्म - प्रतिज्ञा

प्र 1) किसने किससे कहा?

अ) "मेरे पिता मल्लाहों के सरदार हैं।"
सत्यवती ने राजा शांतनु से कहा।

आ) "आपको मुझे एक वचन देना पड़ेगा।"
केवटराज ने राजा शांतनु से कहा।

इ) "जो माँगोगे दूँगा, यदि वह मेरे लिए अनुचित न हो।"
राजा शांतनु ने केवटराज से कहा।

ई) आपको किस बात का दुःख है?
देवव्रत ने शांतनु से पुछा।

उ) "सत्यवती का पुत्र ही मेरे पिता के बाद राजा बनेगा।"
देवव्रत ने देवव्रत से कहा।

ऊ) आप जैसे वीर का पूत्र भी तो वीर होगा।
केवटराज ने देवव्रत से कहा।

ए) मैं जीवनभर विवाह नहीं करूँगा।
देवव्रत ने केवटराज से कहा।

ऐ) फिर मैं आपकी पत्नी बनने के लिए तैयार हूँ।
सत्यवती ने राजा शांतनु से कहा।

प्र 2) रिक्त स्थानों की पूर्ती करें।

अ) नरुणी का नाम सत्यवती था।
आ) केवटराज की शर्त राजा शांतनु को नागवार लगी।
इ) पर चिंता उनके मन को कीड़े की तरह कुतर-कुतरकर खाने लगी।
ई) देवव्रत ने देखा कि उसके पिता के मन में कोई न कोई व्यथा समाई

हुयी है।

उ) केवटराज ने वही शर्त दोहराई, जो उन्होंने शांतनु के सामने रखी थी।

ऊ) सत्यवती का पुत्र ही मेरे पिता के बाद राजा बनेगा।

ए) केवटराज का प्रश्न अप्रत्याशित था।

ऐ) धृतराष्ट्र के पुत्र कौरव कहलाए और पांडु के पांडव।

ओ) केवटराज ने सानंद अपनी पुत्री को देवव्रत के साथ विदा किया।

प्र.३) दिए गए वाक्य सही है या गलत वह लिखें।

अ) सत्यवती को देखते ही शांतनु को उसे अपने पत्नी बनाने की इच्छा मन में आई। सही

आ) सत्यवती ने शांतनु को अपने पिता के पास भेज दिया। सही

इ) केवटराज बिनाशर्त अपनी कन्या शांतनु को देने तैयार हुए। गलत

ई) शांतनु ने देवव्रत को गोलमोल बाते बताई। सही

उ) केवटराज की शर्त किसीने भी मान्य नहीं की। गलत

ऊ) देवव्रत ने जीवनभर ब्रम्हचारी रहने की कसम खाई। सही

ए) सत्यवती और शांतनु का विवाह नहीं हुआ। गलत

ऐ) देवव्रत आगे चलकर भीष्म पितामह कहलाया। सही

प्र.४) मुहावरों का अर्थ लिखें।

अ) विलीन होना - समाविष्ट होना।

आ) मन को चिंता कुतर-कुतर कर खाना - बहोत चिंता होना, चिंता की वजह से अस्वस्थ होना।

इ) विचलीत न होना - अटल रहना।

ई) संतुष्ट होना - समाधानी होना।

उ) विदा करना - प्रस्थान करना, भेज देना।

ऊ) मन में इच्छा बलवती होना - किसी चीज की ओर मन का जाना।